

प्रेषक,

जी०बी० ओली,
संयुक्त सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
डेरी विकास विभाग,
हल्द्वानी (नैनीताल)

पशुपालन अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक 16, दिसम्बर, 2009:

विषय :-राष्ट्रीय कृषि विकास योजनान्तर्गत डेरी विकास विभाग को दुग्ध समितियों को सक्रिय करने हेतु प्रशिक्षण, अवस्थापना विकास तथा रिवाल्विंग फंड हेतु आकस्मिकता निधि से अग्रिम धनराशि रू० 103.40 लाख की वित्तीय स्वीकृति ।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र सं०-1992-94/लेखा-प्रस्ताव राकृतियों/2009-10, दिनांक 30-10-09 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 में डेरी विकास विभाग को राष्ट्रीय कृषि विकास योजना हेतु चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 में राष्ट्रीय कृषि विकास योजनान्तर्गत डेरी विकास विभाग को दुग्ध समितियों को सक्रिय करने हेतु प्रशिक्षण, अवस्थापना विकास तथा रिवाल्विंग फंड हेतु आकस्मिकता निधि से अग्रिम धनराशि रू० 103.40 लाख विनियोजित किये जाने हेतु (चालू वर्ष के आय-व्यय में कोई प्राविधान न होने के कारण) आहरित कर व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबंधों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

(1) इस शासनादेश में उल्लिखित धनराशि के आहरण वितरण तथा उपयोग की पूर्ण सूचना बाउचर संख्या तथा आहरण की तिथि सहित शासन को शीघ्र भेजी जायेगी। प्रतिहस्ताक्षरित उपयोगिता प्रमाण पत्र भी अनिवार्यतः शासन/महालेखाकार को प्रेषित किया जायेगा।

(2) इस शासनादेश में वित्त विभाग द्वारा निर्धारित विशिष्ट शर्तों का अनुपालन विभागों/उपक्रमों में तैनात वित्त नियंत्रक/ मुख्य लेखाधिकारी जैसी भी स्थिति हों, सुनिश्चित करेंगे। यदि निर्धारित शर्तों का किसी प्रकार का विचलन हों तो सम्बन्धित वित्त नियंत्रक आदि का दायित्व होगा कि उनके द्वारा मामले की सूचना पूर्ण विवरण सहित तुरन्त वित्त विभाग को दे दी जाय।

(3) उक्त व्यय शासन के वर्तमान सुसंगत आदेशों/निर्देशों के अनुसार किया जायेगा तथा यह सुनिश्चित किया जाय कि उक्त धनराशि किसी ऐसे कार्य/मद पर सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति अपेक्षित है। वित्तीय हस्त पुस्तिका में उल्लिखित सुसंगत नियमों का अनुपालन किया जाय।

(4) चूंकि प्रस्तर-1 में स्वीकृत धनराशि के लिये चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 के आय व्यय में इस प्रयोजन हेतु कोई बजट व्यवस्था नहीं की गई है, जबकि इस योजना हेतु व्यय तत्काल किया जाना आवश्यक एवं अपरिहार्य है। अतः श्री राज्यपाल महोदय रू० 103.40 लाख (रू० एक करोड़ तीन लाख चालीस हजार मात्र) की धनराशि राज्य आकस्मिकता निधि से अग्रिम के रूप में आहरित कर व्यय किये जाने की स्वीकृति प्रदान की जा रही है। उक्त धनराशि की प्रतिपूर्ति/ समायोजन आय व्यय से की जायेगी।

(5) स्वीकृत की जा रही धनराशि प्रथमतः 8000-राज्य आकस्मिकता निधि-201-समेकित निधि से विनियोजन के नामें एवं अन्ततः अनुदान सं०-28 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2404-डेरी विकास-00-आयोजनागत-102-डेरी विकास परियोजनाये-01-केन्द्रीय योजना/केन्द्रीय आयोजनागत-01-राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (100 % के० सं०) 20-राजकीय सहायता/अंशदान सहायता के नामें में डाला जायेगा।

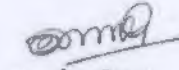
भवदीय,

(जी०बी० ओली)
संयुक्त सचिव।

वित्त विभाग-

संख्या-06/XXVII(1)/रा०आक०निधि/2009, दिनांक 16-12-2009

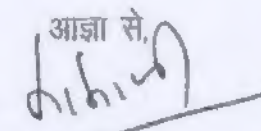
प्रतिलिपि महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) उत्तराखण्ड, माजरा देहरादून को एक अतिरिक्त प्रति सहित आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।


(अर्जुन सिंह)
अपर सचिव।

संख्या- 1874(I)/2009/XV-2/1(7)/2009 तददिनांक ।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित

1. निजी सचिव, मुख्यमंत्री को मा० मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड जी के अवलोकनार्थ।
2. निजी सचिव, मा० मंत्री डेरी विकास को मा० मंत्री जी के अवलोकनार्थ।
3. वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
4. कोषाधिकारी, हल्द्वानी।
- ✓ 5. निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून।
6. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(जी०बी० ओली)
संयुक्त सचिव।

८